

8 $\frac{12}{18}$

अपूर्णा में। के (आभिभाषण उपर) अपूर्णा 2
 को आदि से परेकार सकार उपर। वनीव प्राचीन
 को कई वार समप समप पर (आजाज) डिलवई
 गई। प्राचीन न ता स्वयं उपास्थित दुई न ही
 उनके (आभिभाषण उपस्थित दुई) अतः प्रकाश
 पूर्णा पा व उसके (आभिभाषण को) अपम हाजिरी
 व अपम परी में (वगदिय/किपा जा हा है) पत्रावनी
 फिलशुमा है। वाड तक मील दाखिल दफ्तर हो
 नया से काम को जावे।

←
 (नन्मल पहाड़िया,
 जिला कलक्टर
 धौलपुर)